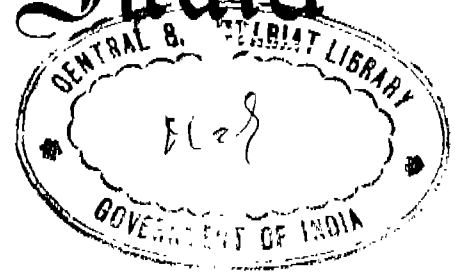




# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY  
भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1  
प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 23]

नई दिल्ली, बुधवार, जनवरी 24, 2001/माघ 4, 1922

No. 23]

NEW DELHI, WEDNESDAY, JANUARY 24, 2001/MAGHA 4, 1922

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

( वाणिज्य विभाग )

( पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय )

अधिसूचना

नई दिल्ली, 24 जनवरी, 2001

विषय : चीन जनवादी गणराज्य के मूल की अथवा वहां से निर्यातित ड्राई बैटरी के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच—प्रारंभिक जांच निष्कर्ष

सं. 53/1/2000-डीजीएडी.— 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 तथा उसके सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियम 1995 को ध्यान में रखते हुए ;

क. कार्यपद्धति

2. जांच के लिए निम्नलिखित कार्य पद्धति अपनाई गई है:-

( i ) निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे इसके बाद प्राधिकारी कहा जाएगा) को उपरोक्त नियमों के अधीन विश्वस्त सूत्रों से सूचना प्राप्त हुई है कि चीन जनवादी गणराज्य (जिसे इसके बाद सम्बद्ध देश कहा जाएगा) मूल की अथवा वहां से निर्यातित ड्राई बैटरी (जिसे इसके पश्चात सम्बद्ध वस्तु कहा जाएगा) का पाटन किया जा रहा है और इससे घरेलू उद्योग को क्षति हो रही है ।

( ii ) प्राधिकारी ने अपने पास उपलब्ध सूचना और साक्ष्यों के आधार पर सम्बद्ध देश से सम्बद्ध वस्तुओं के आयातों के विरुद्ध पाटनरोधी जांच आरंभ करने का निर्णय लिया ;

( iii ) नियमों के उपनियम 5(5) के अनुसरण में, प्राधिकारी ने जांच की कार्रवाई आरंभ करने से पहले ऊपर उल्लिखित सूचना और साक्ष्यों की प्राप्ति के बारे में भारत स्थित चीन जनवादी गणराज्य के दूतावास को सूचित किया

( iv ) प्राधिकारी ने सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की अनुसूची I के अध्याय 85 के सीमाशुल्क उपशीर्ष 85.06.10 के तहत वर्गीकृत, सम्बद्ध देश से सम्बद्ध वस्तु के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच आरंभ करते हुए 20 नवम्बर, 2000 के भारत के राजपत्र, असाधारण में एक सार्वजनिक सूचना जारी की ;

( v ) प्रारंभिक अधिसूचना में यह भी बताया गया था कि विचाराधीन उत्पाद ड्राइ बैटरियां हैं (विशेष रूप से प्राइमरी पेन्सिल सैल और बैटरियां) और बताया गया सीमाशुल्क वर्गीकरण केवल संकेतात्मक है और वर्तमान जांच के दायरे पर किसी प्रकार बाध्यकारी नहीं है । इसके अतिरिक्त बैटरियां विभिन्न साइजों में उपलब्ध हैं, तथापि, पेपर तथा मेटल दोनों में लिपटे आर 6(एए)रूप (हैवी ड्यूटी तथा सुपर हैवी ड्यूटी दोनों) जांच के दायरे में आते हैं ।

( vi ) नई दिल्ली स्थित चीनी दूतावास को सूचित किया गया था और उन्हें नियम 6(2)के अनुसार प्रारंभिक अधिसूचना की एक प्रति भेजी गई । उनसे यह भी अनुरोध किया गया था कि वे अपने देश में निर्यातकों/उत्पादकों को उक्त प्रश्नावली का उत्तर निर्धारित समय के भीतर देने की सलाह दें। निर्यातकों/उत्पादकों द्वारा प्रश्नावली को भरने के लिए दिशानिर्देशों वाले मुख्य पत्र के साथ निर्यातकों/उत्पादकों के लिए निर्धारित प्रश्नावली की एक प्रति भी उन्हें भेजी गई ;

( vii ) विश्वस्त स्रोतों से सम्बद्ध देश से सम्बद्ध वस्तु के निर्यातकों/उत्पादकों की सूची प्राप्त होने पर, प्राधिकारी ने सार्वजनिक सूचना की एक प्रति उनको भेजी और उन्हें यह अवसर दिया कि वे अपने विचारों में लिखित रूप में अवगत कराएं ;

( viii ) प्राधिकारी ने नीचे दी गई सूची के अनुसार चीन के ज्ञात निर्यातकों से नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना प्राप्त करने के लिए उन्हें प्रश्नावली भेजी:-

1. मै0 शैडोंग जिबो डिशेंग पावर कं0 लि0, शैडोंग, चीन
2. मै0 तिआनशुई बैटरी फैक्टरी, गानशु, चीन
3. मै0 लिशुई बैटरी फैक्टरी, झेजियांग, चीन
4. मै0 बुझोऊ स्टोरेज बैटरी फैक्टरी, गुआंगज़ी, चीन
5. मै0 नैनचांग बैटरी फैक्टरी, जिआंगज़ी, चीन
6. मै0 लिंकुइंग बैटरी फैक्टरी, शैडोंग, चीन

7. मै0 विफेंग बोहाई इलैक्ट्रिकल लाइट सोर्स कं. लि. शैडोंग, चीन
8. मै0 गुआंगझोऊ लाइट इंडस्ट्रीज प्रोडक्ट्स, इलैक्ट्रिक एप्लाइंसेज इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं0, गुआंगडोंग, चीन
9. मै0 नैनपिंग नानफू बैटरी कं0 लि0, फूजीआन, चीन

( ix ) प्राधिकारी ने सार्वजनिक सूचना की एक निम्नलिखित वस्तु के एक आयातक, मै0 फोर लाइन एक्सपोर्ट, इंदौर को भिजवाई और उन्हें अपने द्वारा लिखित रूप में इस पत्र की तारीख से 40 दिनों के भीतर प्रस्तुत करने की सलाह दी । चीन से सम्बद्ध वस्तु के अन्य आयातक, जिनके बारे में बाद में प्राधिकारी को पता चला, वे निम्नानुसार हैं :-

1. मै0 वीडियोकोन इंटरनेशनल लिमि0, औरंगाबाद
2. मै0 श्री एक्सपोर्टर्स, मुम्बई
3. मै0 कालसन मार्केटिंग प्रा0 लि0, नई दिल्ली
4. मै0 ग्लोबल इम्पेक्स, मुम्बई
5. मै0 एडवांस सैमिकंडक्टर, नई दिल्ली
6. मै0 शेरेटन ओवरसीज, चेन्नई
7. मै0 टेक्नो इंटरप्राइसेज, नौएडा
8. मै0 दीपक एक्सपोर्टर्स, दिल्ली
9. मै0 शाह आर पी टेक्नोलोजीज, दिल्ली
10. मै0 के एस इंटरनेशनल, नई दिल्ली
11. मै0 सुपर फाइन ओवरसीज, नई दिल्ली
12. मै0 देविका इम्पेक्स, दिल्ली
13. मै0 परफैक्ट ट्रेडिंग कं0, दिल्ली
14. मै0 आनन्द इंटरप्राइसेज, नई दिल्ली
15. मै0 दिल्ली इंटरनेशनल, दिल्ली
16. मै0 अम्बिका इंटरप्राइसेज, नई दिल्ली
17. मै0 वी.के. इंटरनेशनल, नई दिल्ली

18. मै0 क्रिस्टल इलैक्ट्रानिक कारपोरेशन, चेन्नई

19. मै0 वी.आर. इलैक्ट्रानिक्स, जयपुर

( x ) वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआईएंडएस), कलकत्ता और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सीमा-शुल्क बोर्ड से भी जांच अवधि के दौरान सम्बद्ध वस्तु के आयात से संबंधित आंकड़े देने का अनुरोध किया गया था ।

( xi ) जांच शुरू करने के नोटिस की एक प्रति औद्योगिक संघों, जैसे एसोचैम, सी आई आई और फिक्की और साथ ही अखबारों तथा समाचार एजेंसियों को भी भेजी गई थी जिससे कि सभी सम्बद्ध पक्षों के लाभार्थ इसका व्यापक प्रचार हो सके और जांच में भाग लेने के लिए उन्हें आमंत्रित किया जा सके ।

( xii ) प्रारम्भिक अधिसूचना की एक प्रति ड्राई सैल विनिर्माताओं के परिसंघ और साथ ही सम्बद्ध वस्तु के घरेलू उत्पादकों, जिनकी सूची नीचे दी गई है, को भी भिजवाई गई:-

1. एवरेडी इंडस्ट्रीज इंडिया लि0, कलकत्ता
2. इंडो नेशनल लिमि0, चेन्नई
3. मत्सुषिता लखनपाल बैट्री इंडिया लिमि., वदोदरा
4. विल्किन्सन स्पोर्ट्स इंडिया लि0, (जीप), नई दिल्ली
5. एनर्जाइजर इंडिया लिमि0, नई दिल्ली
6. ड्यूरासैल इंडिया प्रा0 लि0, नई दिल्ली
7. बीपीएल लिमि0, बंगलौर

( xiii ) प्राधिकारी ने अपने पास सार्वजनिक फाइल के रूप में रखी गई सूचना और साक्ष्यों के अगोपनीय अंशों के हितबद्ध पार्टियों द्वारा देखने के लिए खुला रखा ;

( xiv ) \*\*\* चिह्न इस अधिसूचना में हितबद्ध पार्टियों द्वारा गोपनीय आधार पर दी गई सूचना का द्योतक है और नियमों के अंतर्गत प्राधिकारी ने उसे गोपनीय ही माना है । इसमें स्वतंत्र स्रोतों से प्राधिकारी के पास उपलब्ध गोपनीय सूचना भी शामिल है ;

( xv ) इस पाटनरोधी जांच के उद्देश्य के लिए जांच की अवधि 1.4.2000 से 30.9.2000 मानी गई है ।

**ख. घरेलू उद्योग के विचार**

3. जांच शुरुआत के नोटिस के प्रत्युत्तर में घरेलू उद्योग ने निर्धारित प्रोफार्मा में सूचना प्रस्तुत कर दी और निम्नलिखित निवेदन किया:-

( i ) जांचाधीन उत्पाद सीमाशुल्क शीर्ष 8506.10 के अंतर्गत आता है और इसका वर्णन 'ड्राई सैल बैट्रीज (विशेष रूप से प्राइमरी पैन्सिल सैल और बैटरियां) विशेषकर पेपर तथा मेटल दोनों में लिपटी हुई आर (एए) किस्म (हैवी ड्यूटी तथा सुपर हैवी ड्यूटी दोनों) में किया गया है ;

( ii ) विचाराधीन उत्पाद अर्थात् ड्राई सैल बैटरियों का व्यापार नगों की संख्या के रूप में किया गया है । तथापि विभिन्न सीमाशुल्क पत्तनों से उपलब्ध आयातों से संबंधित सूचना से यह पता चलता है कि आयात यूनिट के रूप में क्लीयर हुए हैं जैसे दर्जन, सैट तथा कार्टन इत्यादि । इस प्रकार यद्यपि मात्रा की गणना नगों की संख्या के रूप में की जाती है, तथापि मात्रा की सूचना देने वाले डीजीसीआईएंडएस के आंकड़ों पर भरोसा नहीं किया जा सकता है क्योंकि आंकड़े एकत्र करते समय एक समान यूनिट को नहीं लिया गया है । इसका आशय यह भी है कि डीजीसीआईएंडएस आंकड़ों से परिकलित प्रति यूनिट मूल्य, वास्तविक प्रति यूनिट निर्यात कीमत का सही प्रतिबिम्ब नहीं होगा । उपशीर्ष 8506.10 के अतिरिक्त, उपलब्ध आयातों संबंधी विस्तृत आंकड़ों से यह देखा गया है कि सम्बद्ध वस्तुएं विभिन्न सीमाशुल्क शीर्षों के तहत क्लीयर की गई हैं जैसे विशेषकर 8513 के तहत और इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि इन सब उप शीर्षों के लिए सीमाशुल्क समान हैं ।

( iii ) रीचार्जबल बैटरियां भी उसी सीमाशुल्क शीर्ष के तहत आती हैं और सम्बद्ध देशों से आयात भी की जा रही हैं । चूंकि रीचार्जबल बैटरी का प्रति इकाई मूल्य सम्बद्ध वस्तु से कई गुणा अधिक है, इसलिए इस सीमाशुल्क उपशीर्ष के तहत एकत्र किए गए आंकड़े सम्बद्ध वस्तु के आयात के यूनिट मूल्य की सही तस्वीर नहीं देंगे ;

( iv ) उपर्युक्त विचार-विमर्श से यह स्पष्ट है कि डीजीसीआईएंडएस द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़े मात्रा, मूल्य और सम्बद्ध देश से आयातों की प्रति यूनिट कीमतों का निर्धारण करने के लिए विश्वसनीय नहीं हैं । देश में विभिन्न पत्तनों से एकत्र की गई आयात संबंधी सूचना आयात किए जा

रहे उत्पाद का विभिन्न विशिष्ट विवरण देने वाले खेपवार ब्योरो को देखते हुए आयातों की मात्रा एवं मूल्य के बारे में अधिक विश्वसनीय सूचक हो सकती है ।

( v ) ड्राई बैटरियों के विभिन्न प्रकारों का आयात 31 मार्च, 2000 तक आयातों की "प्रतिबन्धित सूची " के अंतर्गत था । 1 अप्रैल, 2000 से प्रभावी इन आयातों को खुला सामान्य लाइसेंस (ओजीएल) में रखा गया है और तब से इन आयातों पर कोई प्रतिबंध नहीं है ।

( vi ) ड्राई सैल बैटरियों के आयातों को ओ जीएल के तहत रखने के पश्चात् चीन के निर्यातकों ने भारी पाटन का सहारा लिया है जो कि या तो चीन से प्रत्यक्ष पोतलदान के रूप में आता है अथवा चीन के मूल का सामान हांगकांग एवं सिंगापुर के रास्ते आता है । इस प्रकार सम्बद्ध देश के मूल के अथवा वहां से निर्यातित सम्बद्ध उत्पाद के सभी आयातों पर शुल्क लगाने की आवश्यकता है ;

( vii ) घरेलू उद्योग में सम्बद्ध वस्तु के पांच उत्पादक शामिल हैं । इन उत्पादकों ने बैटरियों के अन्य प्रकारों का आयात किया है, जो कि वर्तमान जांच का विषय नहीं है: (जैसे रीचार्जबल बैटरियां) और भारतीय उत्पादकों में से कोई भी चीन के सम्बद्ध वस्तु के निर्यातकों अथवा आयातकों से संबंध नहीं रखता है ;

( viii ) वर्तमान जांच चीन से सम्बद्ध वस्तु के पाटन के विरुद्ध है जो कि एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश है । संशोधित पाटनरोधी नियमों के अनुसार, एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश में सामान्य मूल्य का निर्धारण भारत में समान उत्पाद के लिए वास्तविक रूप से संदत्त अथवा संदेय कीमत के आधार पर निर्धारित किया जा सकता है, जिसे यदि आवश्यक समझा जाता है तो लाभ का उचित मार्जिन शामिल करने के लिए के विधिवत समायोजित किया गया हो । निर्दिष्ट प्राधिकारी ने पहले ही चीन से पाटन की कुछेक जांच की हैं जहां सामान्य मूल्य का निर्धारण उत्पादन की परिकलित लागत के आधार पर किया गया था ।

( ix ) जांच की अवधि के दौरान चीन से सम्बद्ध वस्तु के आयात में तीव्र वृद्धि हुई है जिसके कारण घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है और इससे कीमतों में कमी, बाजार हिस्से में कमी, बिक्री और लाभप्रदता की हानि इत्यादि के रूप में आगे और भी क्षति होने की आशंका है ;

( x ) चीनी वस्तुओं की निर्यात कीमत उत्पाद की कच्ची सामग्री की लागत को भी पूरी करने में पर्याप्त नहीं है, विनिर्माण एवं प्रसंस्करण खर्च, वित्तपोषण की लागत, बिक्री एवं वितरण खर्च इत्यादि का तो कहना ही क्या है ;

( xi ) चीन से सम्बद्ध वस्तुओं के पाटन से घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हो रही है और चीन से ड्राई सैल बैटरियों के आयात पर पाटनरोधी शुल्क लगाया जाना चाहिए ।

(ग) चीन के विनिर्माताओं, निर्यातकों तथा भारत के आयातकों के विचार

4. चीन के सम्बद्ध वस्तु के किसी भी निर्यातक अथवा विनिर्माता ने और न ही भारत में सम्बद्ध वस्तु के आयातकों ने प्राधिकारी के जांच शुरुआत के नोटिस का कोई जवाब दिया है ।

घ. प्राधिकारी द्वारा जांच तथा निष्कर्ष:

5. निर्यातकों, आयातकों, घरेलू उद्योग और अन्य हितबद्ध पार्टियों द्वारा किए गए अनुरोधों की जांच की गई और इन निष्कर्षों पर पहुंचने से पहले इन पर विचार किया गया और जहां कहीं उचित समझा गया, वहां इनकी आगे चर्चा की गई है ।

6. प्राधिकारी इस बात की पुष्टि करते हैं कि निर्यातकों ने निर्धारित प्रपत्र में और निर्धारित तरीके से कोई प्रत्यक्ष उत्तर नहीं दिया है और उपरोक्त नियम 6(8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों के आधार पर निष्कर्ष पर पहुंचे हैं ।

7. उपरोक्त नियमों के अनुसार प्राधिकारी द्वारा नए निर्यातकों अथवा उन निर्यातकों के मामलों पर उनसे अनुरोध प्राप्त होने पर विचार किया जाएगा जो कथित रूप से अपनी कीमतों के बारे में शपथ-पत्र देना चाहते हैं ।

ड. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु

8 जैसाकि प्रारम्भिक अधिसूचना में पहले ही बताया गया है विचाराधीन उत्पाद ड्राई बैटरियां हैं (विशेष रूप से प्राइमरी पेन्सिल सैल और बैटरियां) जो सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 की अनुसूची-I के सीमाशुल्क उपशीर्ष 850610 के अंतर्गत वर्गीकृत हैं, इस उत्पाद का उपयोग टार्च, ट्रांजिस्टर, खिलौने, कैमरा, टेपरिकार्ड, सीडी प्लेयर, लेपटाप पी सी और अन्य इलेक्ट्रॉनिक और इलेक्ट्रिकल गजट में किया जाता है । बैटरियां विभिन्न साइजों में उपलब्ध

हैं, तथापि, पेपर तथा मेटल दोनों में लिपटे आर 6(एए) रुप (हेवी ड्यूटी तथा सुपर हेवी ड्यूटी दोनों) जांच के दायरे में आते हैं। इसके अलावा नियम 2 घ के अर्थों के भीतर घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित सामान संबद्ध देश से आयातित वस्तु के 'समान वस्तु' है। यह वर्गीकरण केवल संकेतात्मक है और वर्तमान जांच के दायरे पर किसी प्रकार बाध्यकारी नहीं है। प्रारंभिक निष्कर्षों के उद्देश्य के लिए प्राधिकारी उपर्युक्त विवरण को ही आधार मानते हैं, लेकिन चार्जबल बैटरियाँ जांच के दायरे में नहीं आती हैं।

च. घरेलू उद्योग

9. भारत में ड्राई सैल पेंसिल बैटरीज के पांच उत्पादक हैं। वे हैं :

1. एवररेडी इंडस्ट्रीज लि०
2. बी पी एल सॉफ्ट एनर्जी सिस्टम लि०
3. मत्सुषिता लखनपाल बैटरी इंडिया लि०
4. इंडो नेशनल लि०
5. विल्कीनसन स्वोर्ड इंडिया लि०

10. उपर्युक्त पांच कंपनियों में से उपर्युक्त क्रमांक 1 से 4 तक की कंपनियों ने जांच के प्रयोजन के लिए सूचना प्रदान की है। इनमें से कुछ कंपनियों ने अन्य प्रकार की बैटरियों का आयात किया है जो मौजूदा जांच का विषय नहीं हैं और यह कहा गया है कि इनमें से कोई भी कम्पनी चीन से सम्बद्ध वस्तुओं के किसी निर्यातक अथवा आयातक से संबंध नहीं रखती है। अतः प्राधिकारी मौजूदा जांच के प्रयोजन के लिए मैसर्स एवररेडी इंडस्ट्रीज लि०, मै० बीपीएल सॉफ्ट एनर्जी सिस्टम लि०, मै० मत्सुषिता लखनपाल बैटरी इंडिया लि० तथा मैसर्स इंडो नेशनल लि० को घरेलू उद्योग मानते हैं और इन निष्कर्षों के लिए 'घरेलू उद्योग' के रुप में सामूहिक रुप से इन सभी उत्पादकों का उल्लेख करते हैं।

छ. पाटन और सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमतों पर किए गए दावों की समीक्षा:

11. धारा 9 क(1)(ग) के अंतर्गत किसी वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य का अर्थ है:



( i ) समान वस्तु के लिए व्यापार के सामान्य रूप में तुलनीय मूल्य जब वह निर्यातक देश या क्षेत्र में उपयोग के निमित्त हो जिसका निर्धारण उप धारा (6) के अंतर्गत बनाए नियमों के अनुसार किया गया हो या

( ii ) जब व्यापार के सामान्य रूप में निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में समान वस्तु की कोई बिक्री न हो या जब निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में विशेष बाजार स्थिति या बिक्री की कम मात्रा के कारण ऐसी बिक्री से उचित तुलना नहीं की जा सकती, तब सामान्य मूल्य इनमें से कोई एक होगा ;

( क ) समान वस्तु का तुलनात्मक प्रतिनिधि मूल्य, जब उसका निर्यात निर्यातक देश या क्षेत्र से या किसी उपयुक्त तीसरे देश से किया जाए जिसका निर्धारण उप धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार किया गया हो ; या

(ख) उद्गम वाले देश में उक्त वस्तु की उत्पादन लागत ; जिसमें प्रशासनिक, बिक्री और सामान्य लागत तथा लाभ के लिए उपयुक्त राशि जोड़ी गई हो जिसका निर्धारण उपधारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार किया गया हो ;

12. प्राधिकारी ने धारा 9 क(1)(ग) के अनुसार सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के प्रयोजन के लिए सभी ज्ञात निर्यातकों को प्रश्नावलियां भेजीं । तथापि, किसी भी निर्यातक ने उत्तर नहीं दिया और कोई सूचना प्रस्तुत नहीं की । अतः प्राधिकारी यह मानते हैं कि सम्बद्ध देशों से किसी भी निर्यातक ने नियमों के अनुसार प्राधिकारी के साथ सहयोग नहीं किया है ।

13. घरेलू उद्योग ने उत्पादन की परिकलित लागत के आधार पर सामान्य मूल्य के बारे में सूचना प्रस्तुत की है । प्राधिकारी ने चीन जनवादी गणराज्य के निर्यातकों के असहयोग को देखते हुए सामान्य मूल्य का निर्धारण चीन जनवादी गणराज्य के लिए परिकलित उत्पादन-लागत के आधार पर किया है ।

14. घरेलू उद्योग ने निर्यात कीमत का दावा गोण स्रोतों से एकत्रित किए गए आंकड़ों के आधार पर किया है । चूंकि चीन जनवादी गणराज्य से किसी भी निर्यातक तथा भारत के आयातक ने निर्यात कीमत के बारे में कोई सूचना प्रस्तुत नहीं की है, इसलिए प्राधिकारी ने उपलब्ध सूचना के आधार पर निर्यात कीमत का निर्धारण किया है । सम्बद्ध देश के निर्यातकों और

- भारत के आयातकों के असहयोग के मद्देनजर निवल निर्यात कीमत निकालने के लिए सी आई एफ निर्यात कीमत का समायोजन समुद्री भाड़ा और बीमा आदि के लिए किया गया है।
15. इस प्रकार निर्धारित की गई निर्यात कीमत तथा सामान्य मूल्य को कारखाना द्वार कीमत के रूप में माना गया है।
16. चूंकि सम्बद्ध देश के किसी भी निर्यातक ने जानकारी के लिए प्राधिकारी के अनुरोध का जबाब नहीं दिया, इसलिए प्राधिकारी ने अलग-अलग निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन निर्धारित नहीं किया है। प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत के बीच सही तुलना के प्रयोजन के लिए सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना को ध्यान में रखा और भारत औसत सामान्य मूल्य के साथ भारत औसत निर्यात कीमत की तुलना की। इस तुलना से निवल निर्यात कीमत का 15.2% पाटन मार्जिन दिखाई देता है।

ज. क्षति

17. पाटनरोधी नियमावली का नियम 11 निम्नानुसार है:-

"क्षति का निर्धारण:

विनिर्दिष्ट देशों से आयातों के मामले में, निर्दिष्ट प्राधिकारी यह निष्कर्ष भी रिकार्ड करेगा कि भारत में ऐसी वस्तु के आयात से किसी प्रतिष्ठित उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है अथवा क्षति की आशंका है अथवा यह सामग्री भारत में किसी उद्योग की स्थापना को रोकती है।

- (2) निर्दिष्ट प्राधिकारी पाटित आयातों की मात्रा, घरेलू बाजार में समान वस्तुओं की कीमत पर उसके प्रभाव तथा ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों के परिणामी प्रभाव सहित और इन नियमों के अनुबंध-॥ में निर्धारित सिद्धांतों के अनुसार सभी संगत तथ्यों को ध्यान में रखते हुए घरेलू उद्योग को हुई क्षति, घरेलू उद्योग के लिए क्षति के खतरे घरेलू उद्योग की स्थापना में वास्तविक बाधा और पाटित आयातों तथा क्षति के बीच कारणात्मक संबंध का निर्धारण करेंगे ।

18. उपरोक्त नियम 11, अनुबंध-॥ के तहत जब क्षति के बारे में किसी निष्कर्ष पर पहुँचा जाता है तो इस प्रकार के निष्कर्ष में "..... पाटित आयातों की मात्रा, घरेलू बाजार में समान वस्तुओं की कीमतों पर उनके प्रभाव तथा इस प्रकार की वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों के परिणामी प्रभाव सहित सभी संगत तथ्यों पर विचार करते हुए घरेलू उद्योग को हुई क्षति का निर्धारण शामिल होगा । उपरोक्त के अतिरिक्त क्षति के खतरे के संबंध में उपरोक्त नियमों के अनुबंध-॥ के पैरा (vii) का पाठ निम्नानुसार है:-

"(vii) वास्तविक क्षति के किसी खतरे का निर्धारण तथ्यों पर आधारित होगा और न कि केवल आरोप, कल्पना अथवा परोक्ष संभावना के आधार पर परिस्थितियों में होने वाले परिवर्तन के परिणाम स्वरूप उत्पन्न होने वाली ऐसी किसी स्थिति का स्पष्ट तौर पर अनुमान लगाना चाहिए और ऐसी स्थिति आसन्नवर्ती होनी चाहिए जिसमें पाटन से क्षति पहुँचेगी । वास्तविक क्षति के खतरे की मौजूदगी के संबंध में आकलन करने के लिए निर्दिष्ट प्राधिकारी अन्य बातों के साथ-साथ ऐसे कारकों पर विचार करेगा:

(क) भारत में पाटित आयातों में पर्याप्त स्तर पर वृद्धि जिससे आयातों में पर्याप्त रूप से वृद्धि होने की संभावना का संकेत मिलता हो

(ख) किसी अतिरिक्त निर्यात को खपाने के लिए अन्य निर्यात बाजारों की उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए, निर्यातक की पर्याप्त मात्रा में मुक्त रूप से निपटान योग्य क्षमता अथवा उसमें कोई

तत्काल भारी बढ़ोतरी, जिससे भारतीय बाजार को होने वाले निर्यातों के पाटन में भारी वृद्धि होने का संकेत मिलता हो;

(ग) क्या आयात ऐसी कीमतों पर हो रहे हैं जिनसे घरेलू कीमतों पर ह्रासकारी अथवा न्यूनकारी प्रभाव पड़ेगा, और जिससे और अधिक आयातों के लिए मांग के बढ़ने की संभावना होगी; और

(घ) वस्तु के भण्डार की जांच की जा रही हो ।\*

19. कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करते समय यह जांच करना आवश्यक समझा जाता है कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाटित आयातों के कारण कीमत में कोई उल्लेखनीय गिरावट आई है, अथवा क्या इस प्रकार के आयातों से कीमतों में अन्यथा उल्लेखनीय स्तर तक गिरावट आई है, अथवा कीमत वृद्धि में अन्यथा रूकावट आई है जो कि अन्यथा उल्लेखनीय स्तर तक बढ़ गई होती । भारत में घरेलू उद्योग पर प्रभाव की जांच करने के लिए प्राधिकारी ने ऐसे अन्य संकेतकों पर विचार किया है जो उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालते हैं, जैसे उत्पादन, बिक्री, भंडार, लाभप्रदता, निवल बिक्री प्राप्ति इत्यादि ।

20 घरेलू उद्योग को प्रभावित करने वाले ऊपर उल्लिखित उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री मात्रा इत्यादि जैसे सभी आर्थिक मापदण्डों की जांच की गई है । तथापि, पाटित आयातों का सबसे स्पष्ट प्रभाव कीमतों पर पड़ा है । उपलब्ध सूचना के अनुसार घरेलू उद्योग की रूपए से रूपए प्रति नग के बीच खुदरा बिक्री कीमत की तुलना में घरेलू बाजार में चीन की बैटरियों लगभग 1.5 रूपए से 2.00 रूपए प्रति नग तक की कीमत पर खुदरा बाजार में बेची जा रही थीं । घरेलू उद्योग द्वारा यह उल्लेख किया गया है कि विशेषकर गावों तथा छोटे कस्बों, जो कि उद्योग के लिए बाजार का एक बड़ा हिस्सा है, में उपभोक्ता कीमत के प्रति अत्यधिक सचेत होते हैं । घरेलू बाजार का भारी ह्रास हुआ है और घरेलू उद्योग ने आगे यह बताया है कि कीमत में अत्यधिक अंतर के कारण उनके सामने उपभोक्ताओं को घरेलू उत्पाद की खरीद जारी रखने के प्रति अश्वस्त करने में कठिनाई आ रही है । भले ही घरेलू बाजार में हो रहे विस्तार के कारण उत्पादन तथा

क्षमता उपयोग पर कोई तत्काल प्रभाव नहीं पड़े तथापि, पाटित आयातों से घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में अत्यधिक कमी आ रही है ।

21. चीन से हुए आयात, भारत में संबद्ध उत्पाद की मांग तथा भारत में संबद्ध वस्तु की मांग में चीन का हिस्सा निम्नानुसार रहा है:-

मिलियन नग	1997-98	1998-99	जांच अवधि
चीन से हुए आयात	5.37	36.6	46.8
कुल मांग	556	748	362
मांग में चीन का हिस्सा (%)	0.97	4.89	12.93

उपरोक्त से यह स्पष्ट हो जाता है कि भारत में संबद्ध वस्तु की मांग में चीन के हिस्से में अत्यधिक वृद्धि हुई है । मांग में हुई वृद्धि के अनुपात में अपनी बिक्री को बढ़ाने में घरेलू उद्योग की अक्षमता के रूप में मात्रा संबंधी प्रभाव भी महसूस किया जा रहा है, जिसके कारण भारत में मांग में घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट आई है । कीमत में अत्यधिक कटौती के परिणामस्वरूप आयातों की मात्रा बढ़ रही है जिससे भारत में मांग में चीन के हिस्से में वृद्धि हो रही है । प्रत्यक्ष परिणाम के रूप में घरेलू उद्योग ने बाजार गँवा दिया है ।

22. पूर्वर्ती पैराग्राफ में यथा-उल्लिखित घरेलू उद्योग को हो रही वास्तविक क्षति के अतिरिक्त, यह पाया गया है कि पाटित आयातों से घरेलू उद्योग को और अधिक क्षति होने का खतरा उत्पन्न हो रहा है, जिससे पहले से हो रही क्षति में और अधिक वृद्धि होगी । मार्च, 2000 तक जब यह मद आयातों की 'प्रतिबंधित सूची' में थी, इसका आयात औसतन दो मिलियन नग प्रति माह से बढ़कर अप्रैल, 2000 तथा अगस्त, 2000 के बीच औसतन 7 मिलियन नग प्रति माह तथा सितम्बर, 2000 के महीने में लगभग 12.8 मिलियन नग हो गया, इस प्रकार भारतीय बाजार पाटित चीनी आयातों से पट गया है । ऐसी स्थिति में कीमत में कटौती की घटना के विश्लेषण के उद्देश्य से आयात की पहुँच कीमत की घरेलू उत्पाद की कारखाना द्वार कीमत के साथ सामान्य तुलना करने के अलावा कीमत में कटौती की सीमा और घरेलू उद्योग को हो रहे क्षति के खतरे

का निर्धारण करने के लिए दोनों उत्पादों की खुदरा कीमतों की तुलना करना आवश्यक है। दोनों कीमतों की तुलना करने पर घरेलू उद्योग के सामने आ रही कीमत में कटौती की समस्या का पता चलता है। आयातित वस्तुओं की कीमतों की तुलना घरेलू कीमतों, कारखानाद्वार के मुकाबले पत्तन द्वार आधार पर और खुदरा स्तर पर किसी उपभोक्ता के लिए कीमतों के साथ भी की जा रही है। दोनों आधारों पर नीचे दी गई तुलना से चीन से आयात की जा रही वस्तु के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों में अत्यधिक कटौती का पता चलता है।

रूपए प्रति नग	जांच अवधि
कारखाना-द्वार बनाम पत्तन द्वार	
घरेलू उद्योग की बिक्री प्राप्ति	
आयातों की पहुँच कीमत	
कीमतों में कमी ( % के रूप में)	423
<b>खुदरा स्तर</b>	
घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत	
-न्यूनतम	
-अधिकतम	
चीन के उत्पाद की बिक्री कीमत	2
कीमतों में कमी (% के रूप में)	
-न्यूनतम	175
-अधिकतम	350

उपरोक्त गणना से पता चलता है कि चीन के आयातों द्वारा कीमतों में कमी आने की वजह से घरेलू उद्योग खतरे का सामना कर रहा है जिससे घरेलू उद्योग अंततोगत्वा आयातित उत्पाद की कीमतों के बराबर अपनी कीमतों में कमी करने के लिए बाध्य होगा। इससे घरेलू उद्योग की बिक्री प्राप्ति और लाभप्रदता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

23. घरेलू उद्योग ने आगे यह आरोप लगाया है कि चीन के पास मुक्त रूप से उपलब्ध पर्याप्त क्षमता और बड़ा वस्तु भंडार है जैसाकि भारत और समूचे विश्व के अन्य देशों को होने वाले संबद्ध वस्तु के निर्यातों की लगातार बढ़ती हुई मात्रा से स्पष्ट होता है । तथापि, चीन के निर्यातकों/निर्माताओं द्वारा सहभागिता के अभाव के कारण इस तथ्य का सत्यापन नहीं किया जा सका । इसलिए, प्राधिकारी अपने समक्ष उपलब्ध साक्ष्य के आधार पर यह निष्कर्ष निकालते हैं कि पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग के सामने उपस्थित क्षति के खतरे के परिदृश्य की पुष्टि होती है ।

24. चीन से इस प्रकार की अत्यधिक कम कीमत, जोकि घरेलू उद्योग की कच्ची सामग्री की लागत को प्राप्त करने के लिए भी पर्याप्त नहीं है, पर संबद्ध वस्तु के आयात में पर्याप्त और लगातार वृद्धि होने के परिणामस्वरूप कीमत में अत्यधिक कटौती किए जाने से स्पष्ट तौर पर चीन से संबद्ध वस्तु के पाटन की वजह से घरेलू उद्योग को पहले हो चुकी क्षति और उसे होने वाली क्षति के खतरे के बीच कारणात्मक संबंध की पुष्टि होती है । इसलिए, प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि चीन से हुए संबद्ध वस्तु के पाटन और जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग को हो रही क्षति के बीच स्पष्ट कारणात्मक संबंध है ।

### (ज) भारतीय उद्योग के हित

25. पाटनरोधी शुल्कों का सामान्यतः उद्देश्य यह है कि ऐसे पाटन को समाप्त किया जाए जिससे भारतीय उद्योग को नुकसान हो रहा है तथा भारतीय बाजार में पुनः खुली और उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति लाई जा सके जो कि देश के सामान्य हित में है ।

26. प्राधिकारी यह मानते हैं कि पाटनरोधी शुल्क लगाने से विचाराधीन उत्पादों के कीमत स्तर और उनकी उपलब्धता पर प्रभाव पड़ सकता है । किन्तु, पाटनरोधी उपायों से भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा कम नहीं होगी । इसके विपरीत पाटनरोधी उपायों को लागू करने से पाटन द्वारा प्राप्त किए गए अनुचित लाभ समाप्त होंगे, भारतीय उद्योग का ह्रास रुकेगा और संबद्ध वस्तु के उपभोक्ताओं के लिए व्यापक विकल्प उपलब्ध रखने में मदद मिलेगी । प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि पाटनरोधी उपायों से चीन से होने वाले आयात किसी भी प्रकार कम नहीं होंगे और इसलिए

भारतीय उपभोक्ताओं के लिए उत्पाद की उपलब्धता पर कोई असर नहीं पड़ेगा । इससे केवल अनुचित व्यापार व्यवहारी नियंत्रित होगा । उपभोक्ता अभी भी आपूर्ति के दो या अधिक स्रोत रख सकते हैं ।

### निष्कर्ष

27. प्राधिकारी ने पूर्वोक्त पर विचार करने के बाद यह निष्कर्ष निकाला है कि:-

- i चीन के मूल की ड्राई सेल बैटरियों का भारत को निर्यात उनके सामान्य मूल्य से कम कीमत पर किया गया है;
- ii घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है तथा उसे और अधिक क्षति होने का खतरा है;
- iii उक्त क्षति चीन से हुए आयातों के पाटन के कारण हुई है ।

28. प्राधिकारी यह आवश्यक समझते हैं कि अन्तिम रूप से निर्धारण होने तक चीन के मूल की ड्राई बैटरियों के सभी आयातों पर अनन्तिम पाटनरोधी शुल्क लगाया जाए ताकि घरेलू उद्योग को हुई वास्तविक क्षति को समाप्त किया जा सके । ज्ञात निर्यातकों के लिए प्राधिकारी द्वारा निर्धारित पाटन मार्जिन उपरोक्त पैरा-16 में दर्शाया गया है ।

29. तदनुसार, प्राधिकारी यह सिफारिश करते हैं कि अंतिम निर्धारण होने तक सीमाशुल्क कोड 8506.10 के अंतर्गत आने वाली चीन के मूल की ड्राई बैटरियों के सभी आयातों पर केन्द्र सरकार द्वारा इस संबंध में जारी की जाने वाली अधिसूचना की तारीख से नीचे यथा-निर्धारित अनन्तिम पाटनरोधी शुल्क लगाया जाए । चीन के सभी निर्यातकों/विनिर्माताओं के लिए पाटनरोधी शुल्क 75.25 अमरीकी डालर प्रति ड्राई बैटरियों के 1000 नग और प्रति एक हजार नग के आयात की पहुँच कीमत के बीच का अंतर होगा ।

30. इस प्रयोजनार्थ आयातों का पहुँच मूल्य सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा 3, 3क, 8ख, 9 तथा 9क के तहत लगाए गए शुल्कों को छोड़कर सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 के अधीन सीमाशुल्क विभाग द्वारा यथा आकलित निर्धारणीय मूल्य होगा और उसमें सभी सीमाशुल्क शामिल होंगे ।



## ठ. आगे की प्रक्रिया

31. प्रारंभिक निष्कर्षों को अधिसूचित करने के बाद निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई जाएगी:-

(क) प्राधिकारी सभी हितबद्ध पक्षों से इन निष्कर्षों पर टिप्पणियां आमंत्रित करेंगे और अंतिम निष्कर्षों में उनपर विचार किया जाएगा;

(ख) प्राधिकारी द्वारा निर्यातकों, आयातकों, याचिकाकर्ता और संबंधित समझे जाने वाले अन्य हितबद्ध पक्षों को अलग से लिखा जा रहा है जो पत्र के प्रेषण की तारीख से 40 दिनों के भीतर अपने विचारों से अवगत करा सकते हैं। कोई अन्य हितबद्ध पक्ष भी इन निष्कर्षों के प्रकाशन की तारीख से 40 दिनों के भीतर अपने विचारों से अवगत करा सकता है।

(ग) चूंकि यह मामला स्वतः जांच शुरू किए जाने का है, इसलिए किसी भी हितबद्ध पक्ष द्वारा इस स्तर पर भी किए गए नए अनुरोधों को अंतिम निष्कर्षों के प्रयोजनार्थ ध्यान में रखा जाएगा।

(घ) प्राधिकारी मौखिक अनुरोध हेतु सभी हितबद्ध पक्षों को अवसर प्रदान करेंगे जिन्हें बाद में लिखित रूप में प्रस्तुत किया जाएगा ;

(ङ.) प्राधिकारी आवश्यक समझी गई सीमा तक आगे सत्यापन करेंगे;

(च) प्राधिकारी अंतिम निष्कर्ष घोषित करने से पूर्व आवश्यक तथ्यों का खुलासा करेंगे।

एल. बी. सप्तऋषि, निर्दिष्ट प्राधिकारी

**MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY****(Department of Commerce)****(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 24th January, 2001

**Subject: Anti dumping investigation concerning imports of Dry Batteries originating in or exported from PR China – Preliminary Findings**

**No. 53/1/2000-DGAD.**— Having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, thereof.

**A. Procedure:**

2. The procedure described below has been followed with regard to the investigations:-

- (i) The Designated Authority (hereinafter referred to as Authority), under Rules received information from reliable sources that dry

batteries (hereinafter referred to as subject goods), originating in or exported from China PR (hereinafter referred to as subject country) are being dumped in India and are causing injury to the domestic industry;

- (ii) The Authority on the basis of information and evidence available before it decided to initiate anti dumping investigations against imports of subject goods from the subject country;
- (iii) In accordance with sub-rule 5(5) of the Rules, the Authority notified the Embassy of China PR in India about the receipt of information and evidence mentioned above before proceeding to initiate investigations;
- (iv) The Authority issued a Public Notice dated the 20<sup>th</sup> November 2000 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating anti dumping investigations concerning imports of subject goods from subject country, classified under custom sub-heading 8506.10 of Chapter 85 of the Schedule I of Customs Tariff Act 1975;
- (v) It was also mentioned in the initiation notification that product under consideration is dry batteries (more specifically primary pencil cells and batteries) and custom classification mentioned is indicative only and is in no way binding on the scope of the present investigation. Further the batteries are available in various sizes, however, R6 (AA) both in paper and metal (both heavy duty

and super heavy duty) jacketed form are within the scope of investigations;

- (vi) The Embassy of China in New Delhi was informed and a copy of initiation notification was sent to them in accordance with Rule 6(2). They were also requested to advise the exporters/producers in their country to respond to the questionnaire within the prescribed time. A copy of the questionnaire meant for exporters/producers along with covering letter addressed to exporters/producers containing guidelines for filling up the questionnaire was also sent;
- (vii) On receipt of list from reliable sources of exporters/producers of subject goods from subject country, the Authority forwarded a copy of the public notice to them and gave them an opportunity to make their views known in writing;
- (viii) In accordance with Rule 6(4) the Authority also sent questionnaire to elicit relevant information to the known exporters from China as per the list given below:-
1. M/s. Shandong Zibo Disheng Power Co Ltd., Shandong, China
  2. M/s. Tianshui Battery Factory, Gansu, China
  3. M/s. Lishui Battery Factory, Zhejiang, China
  4. M/s. Wuzhou Storage Battery Factory, Guangxi, China
  5. M/s. Nanchang Battery Factory, Jiangxi, China
  6. M/s. Linqing Battery Factory, Shandong, China

7. M/s. Weifang Bohai Electrical Light Source Co. Ltd.,  
Shandong, China
8. M/s. Guangzhou Light Industries Products, Electric Appliances  
Imp and Exp. Co., Guangdong, China
9. M/s. Nanping Nanfu Battery Co. Ltd., Fujian, China

(ix) The Authority forwarded a copy of the public notice to M/s. Four line Export, Indore, an importer of subject goods and advised them to make their views known in writing within 40 days of the date of the letter. Other importers of subject goods from China who have come to the notice of the Authority subsequently are as follows:-

1. M/s. Videocon International Ltd, Aurangabad
2. M/s. Shri Exporters, Mumbai
3. M/s. Kalson Mkg. Pvt. Ltd., New Delhi
4. M/s. Global Impex, Mumbai
5. M/s. Advance Semiconductor, New Delhi
6. M/s. Sheraton Overseas, Chennai
7. M/s. Techno Enterprises, Noida
8. M/s. Deepak Exports, Delhi
9. M/s. Shah RP Technologies, Delhi
10. M/s. KS International, N Delhi
11. M/s. Super Fine Overseas, N Delhi
12. M/s. Devika Impex, Delhi
13. M/s. Perfect Trading Co., Delhi
14. M/s. Anand Enterprises, N Delhi

15. M/s. Delhi International, Delhi
16. M/s. Ambica Enterprises, N Delhi
17. M/s. VK International N Delhi
18. M/s. Crystal Electronic Corpn., Chennai
19. M/s. VR Electronics, Jaipur

- (x) Request was also made to the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCIS) Calcutta and Central Board of Excise and Customs to arrange for data on import of subject goods during the period of investigation.
- (xi) A copy of the initiation notice was sent to industrial associations, such as ASSOCHAM, CII and FICCI and also to newspapers and news agencies to give wide publicity for the benefit of all concerned and also to invite their participation in the investigation;
- (xii) A copy of the initiation notification was also forwarded to the Association of Dry Cell Manufacturers and also to the domestic producers of subject goods as per list below:-

1. Eveready Industries India Ltd., Calcutta
2. Indo National Limited, Chennai
3. Matsushita Lakhanpal Battery India Ltd.,  
Vadodara
4. Wilkinson Sword India Ltd., (Geep)  
N Delhi

5. Energizer India Ltd., New Delhi
6. Duracell India Pvt Ltd., New Delhi
7. BPL Limited, Bangalore

(xiii) The Authority made available non-confidential information and evidence available before it in the form of a public file kept open for investigation by the interested parties;

(xiv) \*\*\* in this notification represents information submitted on confidential basis by interested parties and so considered by the Authority under the Rules. This also includes confidential information available before the Authority from independent sources;

(xv) The period of investigation for the purpose of this anti dumping investigation is 1.4.2000 to 30.9.2000.

#### **B. Domestic Industry's Views**

3. The domestic industry in response to the initiation notice has furnished information in the prescribed format and made the following submissions:-

- (i) The product under investigation falls under custom heading 8506.10 and described as 'dry cell batteries' (more specifically primary pencil cells and batteries) especially R (AA) both in

paper and metal (both heavy duty and super heavy duty) jacketed form;

- (ii) The product under consideration i.e., dry cell batteries is transacted in terms of number of pieces. However, the information on imports available from various custom ports reveal that imports have been cleared in unit terms such as dozens, sets and cartons etc. thus though the volume is to be denominated in terms of number of pieces, the DGCIS data for denoting the volume may not be reliable as a common unit does not seem to have been adopted while compiling the data. This will also imply that the value per unit calculated from DGCIS data may not be the true reflection of the actual export price per unit. Apart from sub heading 8506.10, from the detailed data on the imports available it is seen that the subject goods have been cleared under different heading such as 8513 also particularly in view of the fact that that custom duties are same for all these sub headings;
- (iii) The rechargeable batteries also fall under the same custom heading and are also imported from the subject countries. Since the value per unit of rechargeable battery is many times higher than that of the subject goods the data compiled under the custom sub heading will not give a true picture of the unit value of the import of subject goods;
- (iv) From the foregoing discussion, it is clear that, the data provided by DGCIS may not be reliable to determine the volume, value and per unit prices of the imports from subject country. The information on imports collected from various



ports in the country may be more reliable indicator of the volume and value of imports looking into the consignment wise details giving different specific description of the product being imported;

- (v) Import of various types of dry batteries were under 'restricted list' of imports till 31<sup>st</sup> March 2000. Effective from 1<sup>st</sup> April 2000, these imports have been placed in Open General Licence (OGL) and there are no restriction on imports since then;
- (vi) After the import of dry cell batteries was placed under OGL, the exporters from China have resorted to severe dumping which is taking the form of either direct shipment from China or there is trans-shipment of material of Chinese origin from Hong Kong and Singapore. The duties are required to be imposed on all imports of subject product originated in or exported from the subject country;
- (vi) The domestic industry consists of five producers of subject goods. These producers have imported other types of batteries which are not the subject matter of present investigation (such as rechargeable batteries) and none of the Indian producers are related to exporters or importer of the subject goods from China;
- (vii) The present investigations are against dumping of subject goods from China which is a non-market economy country. As per the amended Anti Dumping Rules, normal value in a non

market economy country can be determined on the basis of price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted, if necessary, to include a reasonable margin of profit. The Designated Authority has already conducted a number of investigations into dumping from China wherein the normal value was determined based on constructed cost of production.

- (viii) There has been sharp increase in the import of subject goods from China during the period of investigation which has caused material injury to the domestic industry and also threatening further injury in the form of price under-cutting, erosion, in market share, loss of sales and profitability etc;
- (ix) The export price of Chinese goods is not even sufficient to recover the cost of raw material of the product, not to speak of the manufacturing and processing expenses, cost of finance, selling and distribution expenses etc.;
- (x) The dumping of the subject goods from China is causing material injury to the domestic industry and the anti dumping duty should be imposed on imports of dry cell batteries from China;

**C. Views of manufacturers, exporters from China and importers in India**

4. None of the exporters or manufacturers of the subject goods from China nor the importers in India of the subject goods responded to the initiation notice of the Authority.

**D. Examination and Findings by Authority**

5. The submission made by the exporters, importers, domestic industry and other interested parties have been examined and considered while arriving at these findings and wherever appropriate have been dealt hereinafter.

6. The Authority confirms, the absence of any direct response from the exporters in the form and manner prescribed and having made the findings on the basis of the fact available to it as per rule 6(8) supra.

7. The cases of new exporters or those stated to be willing to give price undertaking shall be considered, on request, by the Authority in accordance with the Rules supra.

**E. Product under Consideration and Like Article**

8. As already mentioned in the initiation notification the product under consideration is dry batteries (specifically primary pencil cells and batteries) which is classified under custom sub-heading 850610 of Schedule

I of the Customs Tariff Act, 1975. The product is used in torches, transistors, toys, cameras, tape recorders, CD players, laptop PCs and other electronic and electrical gadgets. The batteries are available in various sizes, however, R6 (AA) both in paper and metal (both heavy duty and super heavy duty) jacketed form are within the scope of investigation. Further, the goods manufactured by the domestic industry are 'like articles' to the goods imported from the subject country within the meaning of Rule 2(d). The classification is indicative only and is in no way binding on the scope of the present investigation. The Authority continues with the same description as mentioned above for the purpose of preliminary findings except that the rechargeable batteries are not within the scope of investigation.

#### **F. Domestic industry**

9. There are five producers of dry cell pencil batteries in India. They are

1. Eveready Industries Ltd
2. BPL Soft Energy System Ltd
3. Matsushita Lakhanpal Battery India Ltd
4. Indo National Ltd
5. Wilkinson Sword India Ltd

10. Of the above five companies, companies at serial nos. 1 to 4 above, have provided information for the purpose of investigation. Some of these companies have imported other types of batteries which is not the subject matter of the present investigation and it has been stated that none of these companies are related to any exporter or importer of subject goods from China. The Authority, therefore, considers M/s. Eveready Industries Ltd., M/s. BPL Soft Energy System Ltd., M/s. Matsushita Lakhanpal Battery India Ltd., and M/s. Indo National Ltd as domestic industry for the purpose

of present investigation and these producers together are referred to as 'domestic industry' for the findings.

### **G. Dumping & examination of claims made on Normal Value & Export Prices**

11. Under Section 9A(1)©, normal value in relation to an article means:

- (i) The comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section(6); or
- (ii) when there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either -
  - (a) comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or
  - (b) the cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for

profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6);

12. The Authority sent questionnaires to all the known exporters for the purpose of determination of normal value in accordance with section 9A(1)©. However, none of the exporters responded to the Authority and have not furnished any information. The Authority, therefore, holds that none of the exporters from the subject countries have cooperated with the Authority as envisaged under the Rules.

13. The domestic industry has furnished information with regard to normal value, based on constructed cost of production. The normal value has been determined by the Authority on the basis of cost of production constructed for China PR in view of non cooperation from the exporters from China PR.

14. The domestic industry has claimed export prices on the basis of data compiled from secondary sources. Since none of the exporters from China PR and importers in India have furnished any information with regard to export price, the Authority has determined export price on the basis of the information available. The CIF export price has been adjusted for ocean freight and insurance etc., to work out net export price, in view of non cooperation from the exporters from subject country and importers in India.

15. The export price and normal value so determined have been considered as ex-works prices.

16. Since none of the exporters from the subject country has responded to the Authority's request for information, the Authority has not determined dumping margin for individual exporters. The Authority took into account the best information available for the purpose of fair comparison between the normal value and the export price and compared weighted average normal value with weighted average export price. The comparison shows dumping margin of 693% of net export price.

#### H. **Injury**

17. Rule 11 of Anti Dumping Rules reads as follows:

“Determination of Injury:

- (1) In the case of imports from specified countries, the designated authority shall record a further finding that import of such article into India causes or threatens material injury to any established industry or materially retards the establishment of any industry in India;

(2) The designated authority shall determine the injury to domestic industry, threat of injury to domestic industry, material retardation to establishment of domestic industry and a causal link between dumped imports and injury, taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on price in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles and in accordance with the principles set out in Annexure II to these rules.”

18. Under Rule 11 *supra*, Annexure II, when a finding of injury is arrived at, such finding shall involve determination of the injury to the domestic industry, "*... ..taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles... ..*". Further to above, regarding threat of injury, para (vii) of Annexure II of Rules *supra*, reads as under:-

“(vii) A determination of a threat of material injury shall be based on facts and not merely on allegation, conjecture or remote possibility. The change in circumstances which would create a situation in which the dumping would cause injury must be clearly foreseen and imminent. In making a determination regarding the existence of a threat of material injury, the designated authority shall consider, *inter alia*, such factors as:



- (a) a significant rate of increase of dumped imports into India indicating the likelihood of substantially increased importation;
- (b) sufficient freely disposable, or an imminent, substantial increase in, capacity of the exporter indicating the likelihood of substantially increased dumped exports to Indian market, taking into account the availability of other export markets to absorb any additional exports;
- (c) whether imports are entering at prices that will have a significant depressing or suppressing effect on domestic prices, and would likely increase demand for further imports; and
- (d) inventories of the article being investigated.”

19. In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree. For the examination of the impact on the domestic industry in India, the Authority considered such further indices having a bearing on the state of industry as production, sales, stock, profitability, net sales realisation etc.

20. All the economic parameters affecting the domestic industry mentioned above, such as production, capacity utilisation, sales volume etc.,

have been examined. However, the most clear effect of dumped imports has been on the prices. As against the retail selling price of domestic industry in the range of Rs.\*\* to Rs.\*\* per piece the Chinese batteries were being sold in the retail market at a price of approximately Rs.1.5 to Rs.2.00 per piece as per information available. It has been stated by the domestic industry that especially in villages and small towns, which is a large segment of the market for the industry, the consumers are highly price conscious. There has been a tremendous erosion for the domestic market and the domestic industry has further stated that they are finding it difficult to convince the consumers to continue to buy the domestic product because of the enormous price difference. Even though there may not be an immediate adverse effect on the production and capacity utilisation because of the expanding domestic market, the dumped imports are causing lot of erosion in the market share of the domestic industry.

21. The imports from China, demand of subject product in India and share of China in demand of the subject goods in India has been as under:-

Million pieces	1997-98	1998-99	Investigation period
Imports from China	5.37	36.6	46.8
Total demand	556	748	362
Share of China in Demand (%)	0.97	4.89	12.93

It is evident from the above that the share of China in Demand of the subject goods in India has significantly gone up. The volume effect is also being

felt in terms of inability of the domestic industry to increase its sales proportionate to the increase in the demand, thus resulting in decline in the market share of domestic industry in demand in India. As a result of significant price undercutting, the volume of imports is increasing, thus resulting in increase in the share of China in demand in India. As a direct consequence, the domestic industry has lost market.

22. In addition to the material injury being suffered by the domestic industry as mentioned in the foregoing paragraph it has been found that the dumped imports are causing threat of further damage to the domestic industry which will intensify the injury already being suffered. From an average of two million pieces per month being imported till March 2000 when the item was on the 'restricted list' of imports, it increased to an average of 7 million pieces per month between April 2000 and August 2000 and approximately 12.8 million pieces in the month of September 2000 thus flooding the Indian market with the dumped Chinese imports. In this situation in addition to usual comparison of landed price of import with the ex-factory price of domestic product for the purposes of analysis of the phenomena of price under-cutting, it is necessary to compare the retail price of two products to assess the extent of price under-cutting and threat of injury to the domestic industry. A comparison of the two prices shows the phenomena of price under-cutting being faced by the domestic industry. The prices of imported goods are being compared with the domestic prices ex-factory vis a vis ex-port basis and also the prices to a consumer at retail level. The comparison given below on both counts shows significant under cutting of the prices of the domestic industry by the goods being imported from China.

<b>Rupees per piece</b>	<b>Investigation period</b>
<b>Ex-factory vs ex-port</b>	
Sales realisation of domestic industry	***
Landed price of imports	***
Price undercutting (percentage terms)	423
<b>Retail level</b>	
Selling price of domestic industry	
- lowest	**
- highest	**
Selling price of Chinese product	2
Price undercutting (in percentage terms)	
- lowest	175
- highest	250

The calculation given above show the threat being faced by the domestic industry on account of price under cutting by Chinese imports which will eventually force the domestic industry to reduce its prices to match the prices of the imported product. This is going to have an adverse effect on the sales realisation and profitability of the domestic industry.

23. The domestic industry has further alleged that China has significant freely available capacity and huge inventories which is evident from the fact

of ever increasing volumes of exports of subject goods to India and to other countries world over. However, this fact could not be verified because of lack of participation by exporters/manufacturers from China. On the basis of the evidence available before it, the Authority therefore concludes that the phenomena of threat of injury being faced by the domestic industry on account of dumped imports is established.

### **I. Causal Link**

24. The substantial and steady increase in import of subject goods from China at abysmally low price which is not sufficient even to recover the cost of raw material of the domestic industry resulting in severe price under-cutting clearly establishes the causal link between the injury already suffered as well as threat of injury being faced by the domestic industry with the phenomena of dumping of subject goods from China. The Authority therefore has come to the conclusion that there is an obvious causal link between the dumping of subject goods from China and the injury being caused to the domestic industry during the period of investigation.

### **J. INDIAN INDUSTRY'S INTEREST**

25. The purpose of anti dumping duties in general is to eliminate dumping which is causing injury to the domestic industry and to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market which is in the general interest of the country.

26. The Authority recognised that the imposition of anti dumping duties might affect the price levels and availability of the products under consideration.. However, fair competition on the Indian market will not be reduced by the anti dumping measures. On the contrary, imposition of anti dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of subject goods. The Authority notes that the imposition of anti dumping measures would not restrict imports from China in any way, and therefore, would not affect the availability of the product to the consumers. It will only check unfair trade practice. The consumers could still maintain two or even more sources of supply.

## K. CONCLUSIONS

27. The Authority has, after considering the foregoing, come to the conclusion that:

- (i) Dry Cell Batteries of Chinese origin have been exported to India below their normal value;
- (ii) the Indian industry has suffered material injury and is being threatened with further injury;
- (iii) the injury has been caused by the dumped imports from China.

28. The Authority considers it necessary to impose an anti dumping duty provisionally, pending final determination, on all imports of dry batteries originating from China in order to remove the material injury to the

domestic industry. The margin of dumping for known exporter determined by the Authority are indicated in para 16 above.

29. Accordingly, the Authority recommends that provisional anti dumping duties as set out below be imposed from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government on all imports of dry batteries falling under customs code 8506.10 originating from China pending final determination. The anti dumping duty shall be the difference between US\$ 75.25 per 1000 pieces of dry batteries and landed price of import per 1000 pieces for all exporters/manufacturers from China.

30. Landed value of imports for the purpose shall be the assessable value as determined by the Customs under the Customs Act, 1962 and all duties of customs except duties under sections 3, 3A, 8B, 9 and 9A of the Customs Tariff Act, 1975.

#### **L. FURTHER PROCEDURE**

31. The following procedure would be followed subsequent to notifying the preliminary findings:-

- (a) The Authority invites comments on these findings from all interested parties and the same would be considered in the final findings;
- (b) Exporters, importers, petitioner and other interested parties known to be concerned are being addressed separately by the Authority, who may make known their views, within forty days

from the date of despatch of the letter. Any other interested party may also make known its views within forty days from the date of publication of these findings;

- (c) This being a case of *suo motu* investigation, fresh submissions made by any interested party even at this stage also will be taken into account for the purpose of final findings;
- (d) The authority would provide opportunity to all the interested parties for oral submissions to be rendered thereafter in writing;
- (e) The Authority would conduct further verification to the extent deemed necessary;
- (f) The Authority would disclose essential facts before announcing final findings.

L.V. SAPTHARISHI, Designated Authority